जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 326 प्रभात बीकानेर, सोमवार 17 जून, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

सिर्फ इंसान के बच्चे ही अपने बुजुर्गों को नहीं चिढ़ाते बल्कि यह प्रवृति ग्रेट एप्स (गोरिल्ला, चिम्पैंज़ी, बोनोबू आदि) में भी पाई जाती है। सैन डिएगो और लाइपज़िग ज़ू से ग्रेट एप्स का 75 घंटे की विडियो फुटेज एकत्रित किया गया, उसके विश्लेषण में वैज्ञानिकों ने 142 ऐसी घटनाएं चिन्हित कीं, जिनमें कम उम्र के ग्रेट एप्स (3 से 5 साल) उम्रदराज एप्स को चिढ़ा रहे थे। वो अपने बड़ों को तिनका चुभोते, उनके साथ खींचतान करते और भाग जाते। कभी तो बड़ों को कोई चीज़ देते और जैसे ही वे हाथ बढ़ाते, हाथ वापस खींच लेते। ओरांगुटान बच्चे टक्कर मारते और बाल खींचते देखे गए, शायद इसलिए, क्योंकि ओरांगुटान के बाल लम्बे होते हैं। जर्मनी और अमेरिका के शोधकर्ताओं ने फुटेज में चिढ़ाने की 18 घटनाएं चिन्हित कीं। हर बार चिढ़ाने वाले वानर ने अचानक पीछे से आकर दूसरे को चौंकाने की कोशिश की। मैक्सप्लैंक इंस्टीट्यूट की डॉ. इसाबेला लॉमर ने कहा, ''हम नहीं बता सकते कि वे ऐसा क्यों करते हैं। खिलवाड़ में की जाने वाली यह छेड़खानी, उकसाने वाली और एक तरफा होती है और जानबूझ कर की जाती है और जैसा कि चिढ़ाने की घटनाओं में अक्सर होता है, छेड़खानी की घटना पर यदि दूसरा अपनी प्रतिक्रिया नहीं देता है तो हरकत दोहराई जाती है।'' नौ बोनोबू, 4 ओरांगुटान, 4 गोरिल्ला और 17 चिंपैंज़ी पर हुआ यह अध्ययन इतना बड़ा नहीं था कि, यह पता लगाया जा सके कि, विभिन्न प्रजातियों की हरकतों में बड़ा अंतर क्या है, लेकिन यह तो सामने आया कि, वयस्कों और किशोरों की अलग-अलग रणनीति होती है। लेकिन दोनों के लिए ''कोंचना'' (पोकिंग) सबसे आम तरीका था, किसी को छेड़ने का। तथापि, उम्रदराज बंदर थोड़े शांत होते हैं। लॉमर ने कहा कि इसी तरह से इंसान के बच्चे भी अपनी मां को टीज़ करते हैं और मां की प्रतिक्रिया जानने के लिए उसका चेहरा देखते रहते हैं, यद्यपि छोटी उम्र के वानर उम्रदराज वानरों को टारगैट करते हैं पर अपने माता पिता के साथ ऐसा नहीं करते। लेकिन डैनी नामक एक गोरिल्ला अपने माता -पिता को चिढ़ाते हुए भी देखा गया, शायद इसलिए क्योंकि वह अन्य गोरिल्लाओं के साथ था। युनिवर्सिटी ऑफ पोट्समाउथ में इवोल्यूशन ऑफ कम्युनिकेशन्स का अध्ययन कर चुकी डॉ. मरीना डाविला रॉस ने कहा कि, टीज़िंग को सोशल ह्यूमर के संदर्भ में देखा जाना चाहिए, यह पार्टनर को समझने में अहम् भूमिका निभाता है।

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में जीरो टैरर ऐक्शन प्लान लागू करने का निर्देश दिया

गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद मसले पर उच्च स्तरीय बैठक में कश्मीर की तर्ज पर जम्मू में भी आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई तेज करने के लिए कहा

- **अमित शाह ने 29 जून से शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की।**
- **इससे तीन दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसी मुद्दे पर एक बैठक की थी, जिसमें उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिया था।**

नई दिल्ली, 16 जून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकी गतिविधियों पर पूरी तरह से लगाम लगाने की नीति (जीरो टेरर प्लान) को लागू करने का निर्देश दिया है। सुरक्षा एजेंसियों को सफलता हासिल करने के लिए उन्होंने कश्मीर की तर्ज पर जम्मू संभाग में भी आतंकियों के खिलाफ ऐक्शन पर जोर दिया। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी नीत सरकार नए तरीकों से आतंकवादियों पर नकेल कसने के लिए प्रतिबद्ध है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर शाह ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। इसमें गृह मंत्री ने अधिकारियों से ये बातें कहीं। शाह ने 29 जून से शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की।

सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री को जम्मू-कश्मीर के मौजूदा हालात के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, आने वाले दिनों में सुरक्षाबल वहां आतंकवाद रोधी अभियान तेज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ अभियान प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार चलाया जाएगा। शाह ने यहां नॉर्थ ब्लॉक में उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इससे तीन दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसी मुद्दे पर एक बैठक की थी, जिसमें उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिया था।

सूत्रों ने बताया कि पिछले शुक्रवार को हुई एक बैठक में शाह को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति, अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षाबलों की तैनाती, घुसपैठ की कोशिशों, आतंकवाद रोधी अभियानों की स्थिति और केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय आतंकवादियों के बारे में जानकारी दी गई थी। आतंकवादियों ने पिछले 4 दिनों में जम्मू-कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए। इनमें 9 तीर्थयात्रियों और सुरक्षाबलों के एक जवान की मौत हो गई व 7 सुरक्षाकर्मी और कई अन्य घायल हो गए। कठुआ जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 2 संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ।

आतंकवादियों ने 9 जून को तीर्थयात्रियों की एक बस पर उस समय गोलीबारी की, जब यह शिवखोड़ी मंदिर से कटरा की ओर जा रही थी। इस बस में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के श्रद्धालु सवार थे। गोलीबारी के बाद बस गहरी खाई में गिर गई थी, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई थी और 41 अन्य घायल हो गए थे।

आतंकवादियों ने 11 जून को भद्रवाह में राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की संयुक्त चौकी पर गोलीबारी की थी। आतंकवादियों ने 12 जून को डोडा जिले के गंडोह क्षेत्र में तलाशी दल पर हमला किया था, जिसमें एक पुलिसकर्मी सहित 7 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। इन हमलों के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने 13 जून को गृह मंत्री के साथ सुरक्षा बलों की तैनाती व आतंकवाद रोधी अभियानों पर चर्चा की।

'ई.वी.एम. को अनलॉक करने के लिए डिवाइस से कनैक्ट नहीं किया जा सकता'

मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि, ई.वी.एम. ''स्टैंडअलोन'' तरीके से काम करने वाली प्रणाली है, ओ.टी.पी. वाली बात बेमतलब की है

- **निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने कहा कि, आज एक अखबार में ई.वी.एम. हैक करने के संदर्भ में जो खबर छपी है वह पूरी तरह से बेमानी है, हमने अखबार के खिलाफ नोटिस ईशू किया है। आई.पी.सी. सैक्शन 499 के तहत मानहानि का केस भी किया गया है।**
- **कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि, भारत में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) एक ब्लैक बॉक्स है, जिसकी जांच करने की किसी को इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि, भारत की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर ''गंभीर चिंताएं'' जताई जा रही हैं।**

मुंबई, 16 जून। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद एक बार फिर ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। तमाम विपक्षी पार्टियों ने एक बार फिर से ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिये कराने की मांग की। इस पर अब चुनाव आयोग ने अपनी सफाई पेश की है। मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट की निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने कहा कि ईवीएम 'स्टैंडअलोन' (स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाली) प्रणाली है, इसे अनलॉक करने के लिए ओ.टी.पी. की जरूरत नहीं है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यवंशी ने कहा, आज जो खबर आई उस को लेकर कुछ लोगों ने ट्वीट किए। ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओ.टी.पी. नहीं लगता है। ईवीएम डिवाइस किसी से कनेक्ट नहीं रहता, अखबार द्वारा पूरी तरह से गलत खबर चलाई गई है। ईवीएम स्टैंडअलोन सिस्टम है। खबर पूरी तरह से गलत है हमने पेपर को नोटिस इशू किया है। 499 आईपीसी के तहत मानहानि का केस भी किया गया है।

इससे पहले सपा प्रमुख यादव ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, 'टेक्नॉलजी' समस्याओं को दूर करने के लिए होती है, अगर वही मुश्किलों की वजह बन जाए, तो उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। यादव ने इसी पोस्ट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, आज जब विश्व के कई चुनावों में ईवीएम को लेकर गड़बड़ी की आशंका जाहिर की जा रही है और दुनिया के जाने-माने प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ (टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स) ईवीएम में हेराफेरी के खतरे की ओर खुलेआम लिख रहे हैं, तो फिर ईवीएम के इस्तेमाल की जिद के पीछे की वजह क्या है, ये बात भाजपाई साफ करें।

उन्होंने कहा, आगामी सभी चुनाव बैलेट पेपर (मतपत्र) से कराने की अपनी मांग को हम फिर दोहराते हैं। यादव पहले भी ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहे हैं।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एक ब्लैक बॉक्स है, जिसकी जांच करने की किसी को इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर ''गंभीर चिंताएं'' जताई जा रही हैं।

गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''जब संस्थाओं में जवाबदेही ही नहीं होती तो लोकतंत्र दिखावा बन कर रह जाता है और धांधली की आशंका बढ़ जाती है।'' इस पोस्ट के साथ गांधी ने एक खबर भी साझा कि जिसमें दावा किया गया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखण्डः वाहन खाई में गिरने की एक और घटना

देहरादून, 16 जून (वार्ता)। उत्तराखण्ड के जनपद पौड़ी गढ़वाल में एक वाहन रविवार को अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में तीन किशोरियों और चालक सहित चार लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई तथा तीन बच्चे घायल हो गये।

दो बालिकाओं को गंभीर हालत में एयरलिफ्ट कर, एम्स ऋषिकेश भेजा गया है। एक घायल का स्थानीय अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

- **चौपहिया वाहन अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में जा गिरा, चार की मौत व तीन बच्चे घायल हो गये।**

राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) रिद्धिमा अग्रवाल ने यूनीवार्ता को बताया कि आज सुबह कोतवाली श्रीनगर द्वारा खिर्सू चौबट्टा के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना देते हुए रेस्क्यू को टीम की मांग की गई। जिसपर उप निरीक्षक देवीदत्त बर्थवाल के नेतृत्व में एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों से बाबरी विध्वंस का टॉपिक हटाया गया

एन.सी.ई.आर.टी. निदेशक ने कहा कि, घृणा और हिंसा शिक्षा के विषय नहीं हैं और स्कूली किताबों में इन पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए

- **एन.सी.ई.आर.टी. के सिलबस के भगवाकरण के आरोपों पर एन.सी.ई.आर.टी. निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा, ''पाठ्यक्रम का भगवाकरण करने का कोई प्रयास नहीं है, पाठ्यपुस्तकों में सभी परिवर्तन साक्ष्य और तथ्यों पर आधारित हैं।''**
- **सकलानी ने कहा कि, पाठ्यपुस्तकों में संशोधन एक वैश्विक प्रथा है, यह शिक्षा के हित में है। किताबों में बदलाव के बारे में जोड़ते हुए सकलानी ने कहा कि, यदि कोई चीज अप्रासंगिक हो जाती है, तो उसे बदला ही जाता है।**

नई दिल्ली, 16 जून। देश की शीर्ष शिक्षा संस्था एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने अपनी किताबों में किए गए हालिया बदलावों को लेकर बयान दिया है। किताबों के बदलावों को लेकर उठे विवाद के बीच एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक ने कहा कि, घृणा और हिंसा शिक्षा के विषय नहीं हैं और स्कूली किताबों में इन पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। बता दें एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों में बाबरी मस्जिद विध्वंस और भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व वाली राम रथ यात्रा के संदर्भों को हटा दिया गया है।

एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों में किए गए बदलाव के मद्देनजर कई सवाल भी उठे। ऐसे आरोप भी लगे की स्कूल के बच्चों की किताबों का भगवाकरण किया जा रहा है। इस बारे में बोलते हुए एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा, ''पाठ्यक्रम का भगवाकरण करने का कोई प्रयास नहीं है, पाठ्यपुस्तकों में सभी परिवर्तन साक्ष्य और तथ्यों पर आधारित हैं।''

एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों में बाबरी मस्जिद विध्वंस और भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व वाली राम रथ यात्रा के संदर्भों को हटाए जाने के सवाल पर सकलानी ने कहा, ''हमें छात्रों को दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए, हमारा उद्देश्य बच्चों को हिंसक, अवसादग्रस्त नागरिक बनाना नहीं है।'' सकलानी ने कहा कि पाठ्यपुस्तकों में संशोधन एक वैश्विक प्रथा है, यह शिक्षा के हित में है। किताबों में बदलाव के बारे में जोड़ते हुए सकलानी कहते हैं कि यदि कोई चीज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्रीनगरः दुनिया के सबसे ऊँचे ब्रिज का काम पूरा हुआ

श्रीनगर, 16 जून। जम्मू-कश्मीर के रियासी में रेलवे के लिए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल को बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है। इसके निरीक्षण के लिए पहुंचे रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुल का जायजा लिया।

- **ब्रिज के निरीक्षण के लिए पहुंचे रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुल का जायजा लिया। दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज पर रविवार को ट्रायल ट्रेन चलाई गई।**

दुनिया के सबसे ऊंचे पुल पर आज ट्रायल ट्रेन चलाई गई। उत्तरी रेलवे इस पुल पर ट्रेन सेवाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। यह पुल संगलदान को रामवन जिले से जोड़ता है। रेलवे के एक इंजीनियर दीपक कुमार ने बताया की पुल पर ट्रेन सर्विस बहुत जल्दी शुरू हो जाएंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चार सोलर प्रोजैक्ट के लिए भूमि आंवटन को मंजूरी दी

प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे सोलर प्रोजैक्टः मुख्यमंत्री

- **बीकानेर के पूगल एवं छत्तरगढ़ तहसील में 2450 मेगावाट के 3 सोलर प्रोजैक्ट स्थापित होंगे।**
- **फलौदी के भड़ला में 500 मेगावाट के एक सोलर प्रोजैक्ट की स्थापना होगी।**

जयपुर, 16 जून (का.सं.)। राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस एनर्जी स्टेट बनाने के संकल्प को शीघ्र पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने चार सोलर प्रोजेक्ट के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार बीकानेर जिले में 2450 मेगावाट के 3 सोलर पार्कों की स्थापना के लिए राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट कंपनी को कुल 4780 हैक्टेयर तथा फलौदी जिले में 500 मेगावाट के एक सोलर प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को लगभग 910 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है।

बीकानेर जिले में एक-एक हजार मेगावाट के दो तथा 450 मेगावाट का एक सोलर पार्क स्थापित किया जायेंगा। पहले सोलर पार्क के लिए पूगल तहसील के ग्राम सूरासर में लगभग 1881 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है। इसी तरह एक हजार मेगावाट के दूसरे सोलर पार्क के लिए दो हजार हैक्टेयर भूमि आवंटित की जायेंगी जिसमें से 1194 हैक्टेयर भूमि सूरासर तथा लगभग 807 हैक्टेयर भूमि ग्राम भणावतावाला में स्थित है।

इसी प्रकार बीकानेर जिले में ही 450 मेगावाट के तीसरे सोलर पार्क की स्थापना हेतु छत्तरगढ़ तहसील के ग्राम सरदारपुरा में 900 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है। ये सोलर पार्क राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा नवीन एवं नवीकरणीय मंत्रालय (केन्द्र सरकार) की सौर पार्क योजना के अन्तर्गत 3 चरणों में विकसित किये जायेंगे। शर्मा ने इसके साथ ही एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को 500 मेगावाट सोलर प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए फलौदी जिले की बाप तहसील में ग्राम भड़ला में 910 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इन सोलर प्रोजेक्ट्स के माध्यम से राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का हमारा संकल्प साकार होगा और ये प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होने के साथ ही क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि ये सोलर प्रोजेक्ट्स पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएंगे और सालाना लगभग 2 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। इन सोलर पार्क्स में अत्याधुनिक सौर पैनल्स और ग्रिड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा, जिससे ऊर्जा उत्पादन की क्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में लगभग 10 हजार करोड़ का निवेश भी होगा। एमएनआरई अनुमोदित परियोजना होने से 33 प्रतिशत अनुदान मिलेगा तथा अगले दो वर्ष में पूरा किया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए गत 10 मार्च को राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एनटीपीसी लिमिटेड, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड एवं एनएलसी इंडिया लिमिटेड के मध्य 3325 मेगावाट की थर्मल परियोजनाएं एवं 28,500 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं संयुक्त उपक्रम के तहत स्थापित करने हेतु 1 लाख 50 हजार करोड़ रूपये एमओयू किये गये है।

साथ ही प्रसारण तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए पावरग्रिड कॉर्पोरेशन के साथ 26:74 शेयर धारिता के अनुपात में संयुक्त उपक्रम की स्थापना हेतु एमओयू किया गया जिसके तहत 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसके अतिरिक्त राजस्थान ऊर्जा विकास निगम एवं एसजेवीएन के मध्य 600 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं से बिजली की आपूर्ति के लिए पावर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के वॉटर पार्क में गोलीबारी, नौ लोग घायल

शिकागो, 16 जून (वार्ता) अमेरिका के मिशिगन प्रान्त के पास डेट्रॉइट में एक वाटर पार्क में शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति ने अचानक गोलीबारी कर दी जिसमें कम से कम नौ लोग घायल हो गए। ओकलैंड काउंटी शेरिफ माइकल बाउचर्ड ने कल शाम एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि घटना डेट्रॉइट के उत्तरी उपनगर रोचेस्टर हिल्स के एक वाटर पार्क में स्थानीय समयानुसार शाम

- **हमलावर ने आठ साल के मासूल बच्चे को भी अपनी गोलियों का निशाना बनाया।**

करीब पांच बजे तब हुयी जब एक संदिग्ध व्यक्ति ने वाटरपार्क में लोगों पर ताबड़तोड़ 28 गोलियां दाग दीं। बुचार्ड ने कहा, इस घटना में लगभग नौ लोग घायल हुये हैं और सभी पीड़ित अलग-अलग उम्र के हैं। घायलों में सबसे कम उम्र का आठ वर्ष का एक बच्चा है। उन्होंने कहा, पुलिस ने संदिग्ध को वाटर पार्क से आधे किलोमीटर दूर एक मकान में घेर लिया।